अंक 25 अक्टूबर 2018

# BLOG

Balmer Lawrie
Organisational Gazette

# संपादकीय....

बामर लॉरी ऑर्गनाइज़ेशनल गजेट [ब्लॉग] का यह अंक राजभाषा के रूप में हिंदी के उपयोग हेतु समर्पित एक विशेष अंक है। आप जानते होंगे कि संविधान सभा ने हिंदी को दिनांक 14 सितंबर 1949 को संघ की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया था और यह दिन अब पूरे देश में हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। 26 जनवरी 1950 को हिंदी भारत की राजभाषा बन गई। यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि हिंदी आज दुनिया की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है और दुनिया भर में लगभग 50 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है।

हिंदी पखवाड़ा के समापन के बाद, जो हर साल सितंबर माह में आयोजित होता है, हम अपने त्रैमासिक जर्नल ब्लॉग के अक्टूबर अंक को पूरी तरह से हिंदी में ही प्रकाशित करते हैं। यह संगठन में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने और कर्मचारियों को उनके दैनिक कार्य में सक्रिय रूप से इस भाषा का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने का एक प्रयास है।

हमारे देश के कई महान नेताओं ने महसूस किया था कि भारत की लोक-भाषा हिंदी के अलावा अन्य कोई नहीं हो सकती है और यह वह भाषा है जो हमारे सभी नागरिकों को विशाल विविधता के बावजूद एक साथ रख सकती है। महात्मा गांधी ने कहा था, "राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है: राष्ट्रीय व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक है एवं हिंदी का प्रश्न स्वराज्य का प्रश्न है"। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने कहा था, "प्रान्तीय ईर्ष्या–द्वेष को दूर करने में जितनी सहायता इस हिंदी प्रचार से मिलेगी, उतनी दूसरी किसी चीज़ से नहीं मिल सकती"

मैं आप सभी से अनुरोध करूंगी कि आप राजभाषा विभाग की वेबसाइट http://www.rajbhasha.nic.in / पर लॉग ऑन करें और इनाम-योजनाओं, ई-टूल्स, शब्दावली, ई-पुस्तक और हिंदी से संबंधित अन्य दिलचस्प विवरणों के बारे में जानकारी प्राप्त करें।

ब्लॉग के इस अंक में हमने विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों में हिंदी पखवाड़ा समारोह, राजभाषा विभाग की महत्वपूर्ण घटनाक्रमों और सम्मानों पर प्रकाश डाला है।

हमेशा की तरह, मैं अपने सभी पाठकों से सुझाव, योगदान और प्रतिक्रिया भेजने के लिए निवेदन करती हूं। आप उन्हें mukhopadhyay.mohar@balmerlawrie.com पर ईमेल कर सकते हैं।

# उल्लेखनीय घटनाक्रम @ बामर लॉरी

कोलकाता स्थित एसबीयू : जी & एल का आधुनिकतम अनुसन्धान एवं विकास केन्द्र नवीन आधुनिकीकृत अनुप्रयोग अनुसन्धान प्रयोगशाला (एआरएल) का शुभारम्भ निदेशकों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं अन्य लोगों की उपस्थिति में अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री प्रबाल बासु द्वारा 20 जुलाई 2018 को किया गया। इस अवसर पर एक प्रेस मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें शहर के इलेक्ट्रॉनिक तथा प्रिंट मीडिया दोनों ने भाग लिया। यह नई सुविधा ग्रीस & लुब्रीकेंट्स के क्षेत्र में अपनी तकनीकी योग्यता को बढ़ाने में कम्पनी के प्रयास का एक अंग है।

अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री प्रबाल बासु तथा निदेशकों ने 14 जुलाई 2018 को चित्तूर में औद्योगिक पैकेजिंग संयन्त्र का दौरा किया। अपने दौरे के समय उन्होंने इस केन्द्र का निरीक्षण किया, प्रचालनों के भण्डार का निरीक्षण तथा साथ ही परिसर में पौधारोपण किया। चित्तूर संयन्त्र फलों के गूदे बनाने वाले उद्योगों को आपूर्ति करता है और इसकी विनिर्माण इकाई में महिलाएँ कार्यरत हैं। इसकी संस्थापना से रोजगार के अवसरों का सृजन होने के कारण इस संयन्त्र से लगभग 150 ग्रामीण परिवार लाभान्वित हुए हैं।

जून तथा जुलाई 2018 में अखिल भारतीय स्तर पर टाउन हॉल मीटिंग की वार्षिक बैठक सम्पन्न हुई। कर्मचारी संलिप्तता पहल से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली इस बैठक की उत्सुकता से प्रतीक्षा रहती है जिसमें अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक और कम्पनी के पूर्णकालिक निदेशक समस्त कार्यपालकों तथा अधिकारियों को सम्बोधित करते हैं और कम्पनी के निष्पादन तथा प्रकार्य के सम्बन्ध में उन्हें अपडेट करते हैं। यह कार्यक्रम अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक और निदेशकों से अन्तर्क्रिया करने का मंच उपलब्ध कराता है। टाउन हॉल मीटिंग 6 जुलाई को दिल्ली के स्कोप कंवेन्शन सेंटर में आयोजित की गयी। 10 जुलाई तथा 11 जुलाई को यह मीटिंग कोलकाता में बामर लॉरी ट्रेनिंग सेंटर, कॉरपोरेट कार्यालय में आयोजित की गयी। दक्षिण क्षेत्र में इस मीटिंग का आयोजन चेन्नई में 13 जुलाई को, बेंगलुरू में 23 जुलाई को तथा हैदराबाद में 24 जुलाई को किया गया। समग्रत: ये बैठकें सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। टाउन हॉल की मीटिंग मुम्बई तथा सिलवासा में क्रमश: 26 और 27 जून, 2018 को सम्पन्न हुई।

हमारी कम्पनी की 101वीं वार्षिक बैठक कोलकाता में 12 सितम्बर को आयोजित की गयी जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक ने की और इसमें बामर लॉरी एण्ड कं. लि. के निदेशकों तथा कम्पनी सचिव ने भाग लिया। बामर लॉरी एण्ड कं. लि. ने वर्ष 2016-17 के दौरान रु. 1,779 करोड़ की तुलना में वर्ष 2017-18 के दौरान रु. 1,797 करोड़ का सकल कारोबार किया जो गत वर्ष से लगभग 1% अधिक था। पुन: कम्पनी 2016-17 के रु. 254.11 करोड़ की तुलना में 2017-18 में रु. 261.12 करोड़ का कर-पूर्व लाभ अर्जित किया, यह बढ़ोत्तरी विभिन्न एसबीयू और विशेष रूप से एसबीयू : ट्रैवल & वैकेशन्स के उन्नत प्रदर्शन तथा 2017-18 के दौरान उच्चतर लाभांश आय अर्जित करने के कारण हुई।

बामर लॉरी ने कोलकाता में 24 अगस्त 2018 को डॉ. एम.एम. कुट्टी,सचिव पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी), भारत सरकार का भव्य स्वागत किया। अपने दौरे के समय उन्होंने कम्पनी के निष्पादन के विषय में जानकारी के लिए कॉरपोरेट मुख्यालय में कम्पनी के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री प्रबाल बासु के साथ बैठक की। उन्होंने कोलकाता में आधुनिकीकृत अनुप्रयोग अनुसन्धान प्रयोगशाला, ग्रिसेस & लुब्रिकेंट्स के लिए आधुनिकतम अनुसन्धान एवं विकास केन्द्र तथा कंटेनर फ्रेट स्टेशन का भी दौरा किया। डॉ. कुट्टी ने 1 जुलाई 2018 को पेट्रोलियम मन्त्रालय के सचिव का पदभार ग्रहण किया।

बैंगलौर में 31 अगस्त 2018 को बामर लॉरी तथा अन्तरिक्ष विभाग (डीओएस) के मध्य एक एयर इम्पोर्ट कंसोल अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किए गये। यह भारतव्यापी अनुबन्ध पाँच वर्षों के लिए वैध है तथा इसकी लागत रु. 70 करोड़ है। श्री मानस कुमार गांगुली, सीओओ (लॉजिस्टिक्स) ने इसरो के उच्च अधिकारियों तथा बामर लॉरी के अधिकारियों की उपस्थिति में कम्पनी की ओर से अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किए।

भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने 24 अगस्त 2018 को नई दिल्ली में अतिरिक्त आकार/भार के कंसाइनमेंट (स्पीडेक्स) के स्टोर, प्रोएक्टिव, कुशल तथा महत्त्वाकांक्षी डिस्पैच को आधिकारिक तौर पर प्रारम्भ किया। भारतीय वायुसेना के मेंटनेंस एयर ऑफिसर-इन-चार्ज एयरमार्शल आर.के.एस. शेरा द्वारा प्रारम्भ किये गये इस स्पीडेक्स अनुबन्ध को 28 जून, 2018 को बामर लॉरी के साथ एयर कम्पोनेंट हेतु अन्तिम स्वरूप दिया गया। स्पीडेक्स कार्यक्रम का लक्ष्य कंसाइनमेंट में होने वाले विलम्ब को कम करना तथा प्रचालनात्मक अत्यावश्यक भण्डारों को वायु परिवहन और सामान्य कंसाइनमेंट को सड़क परिवहन द्वारा सुगम बनाना है।

बामर लॉरी को कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट द्वारा 27 अगस्त 2018 को आयोजित एक कार्यक्रम में कोलकाता डॉक सिस्टम में 'प्रॉमिसिंग सीएफएस ऑपरेटर 2018' के रूप में सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के चेयरमैन द्वारा श्री प्रशान्त बासु, मुख्य प्रबंधक, सीएफएस-कोलकाता को प्रदान किया गया।

18 अगस्त 2018 को कर्नाटक के मैसूर स्थित होटल रैडिसन में एसबीयू : आरओएफएस तथा अभियान्त्रिकी एवं परियोजना विभाग के अधिकारियों के लिए एक तकनीकी बैठक का आयोजन किया गया। इस मीटिंग में श्री प्रबाल बासु, अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक तथा श्री डी सोथी सेल्वम, निदेशक (विनिर्माण व्यवसाय) शामिल थे।

"रजत श्रेणी" के तहत विनिर्माण प्रतिस्पर्धा के राष्ट्रीय पुरस्कार (एनएएमसी) विजेता इण्डस्ट्रियल पैकेजिंग, असौटी एवं ग्रिसेस & लुब्रिकेंट्स, सिलवासा थे। बामर लॉरी को "सतत विविधता हेतु प्रयास" हेतु अतुलनीय योगदान के लिए भी एक विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार 28 सितम्बर 2018 को आईटीसी ग्रैण्ड मराठा, मुम्बई में आयोजित एक भव्य समारोह में श्री ए. रत्न शेखर, निदेशक (मानव संसाधन व सीए), श्री श्रीजीत बनर्जी, सीओओ (जी & एल) तथा श्री सुन्दर शेरिगर, प्रधान (आईपी) और सम्बद्ध संयन्त्र प्रमुखों को प्रदान किये गये। एनएएमसी अन्तर्राष्ट्रीय विनिर्माण अनुसन्धान संस्थान (आईआरआईएम) द्वारा संचालित एक परिशुद्ध ऑनसाइट अनुमान कार्यक्रम है। यह पुरस्कार अपने संगठनों हेतु एक सशक्त प्रतिस्पर्धी नीति को विकसित करने, क्रियान्वित करने तथा स्थायी रखने की विलक्षण क्षमता प्रदर्शित करने वाली कम्पनियों/केन्द्रों को प्रदान किया जाता है। दोनों टीमों को बधाई।

टीसीडब्ल्यू, हैदराबाद को सीआईआई-कोल्ड चेन अवार्ड के तृतीय संस्करण में "बेस्ट प्रैक्टिसेज इन कोल्ड स्टोरेज" हेतु प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार नई दिल्ली में 25 सितम्बर 2018 को आयोजित एक पुरस्कार समारोह में माननीय खाद्य प्रसंस्करण मन्त्री श्रीमती हरसिमरत कौर बादल द्वारा प्रदान किया गया। इस पुरस्कार समारोह का आयोजन राष्ट्रीय शीतगृह शृंखला विकास केन्द्र (एनसीसीडी) के सहयोग यह सीआईआई के उत्कृष्ट खाद्य एवं कृषि केन्द्र द्वारा किया गया। ये पुरस्कार उत्तम संक्रियाओं के माध्यम से सतत सफलता एवं प्रतिस्पर्धा के सम्बन्ध में जागरूकता उत्पन्न करने तथा वेयरहाउस, लॉजिस्टिक्स एवं नीति प्रणाली सहित शीतगृह प्रबन्धन के क्षेत्र में उत्तम तथा उत्कृष्ट योगदान हेतु व्यक्तियों/संगठनों को प्रदान किये जाते हैं।

# हिन्दी दिवस के अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय का संदेश

**प्रबाल बासु**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

**सभी कर्मचारियों को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।**

14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने राजभाषा संबंधी जो निर्णय लिया उससे पता चलता है कि इससे हमारी सांस्कृतिक उत्थान, अपनी भाषा के प्रति स्वाभीमान जागृत होता है। राष्ट्रीय महत्व के किसी भी कार्य को करने के लिए सभी के व्यक्तिगत एवं सामुहिक प्रयासों की आवश्यकता पड़ती है। राजभाषा हिन्दी को हमारे देश में प्रतिष्ठित करना भी एक राष्ट्रीय महत्व की बात है। इसलिए हम सभी का यह कर्तव्य होता है कि राजभाषा हिन्दी का अपने कार्य जीवन में प्रयोग करके राष्ट्रीय महत्व के इस यज्ञ में अपना योगदान करें।

मेरा मानना है कि हिंदी का उपयोग केवल पखवाड़े के दौरान ही नहीं बल्कि वर्ष भर करें। आज इस शुभ अवसर पर यह कहना गलत नहीं होगा कि हिन्दी के कार्य का विकास हमारी कंपनी में ही नहीं परन्तु सारे भारत में पहले की तुलना में अधिक हुआ है, फिर भी अभी बहुत कुछ करना बाकी है।

हिंदी दिवस के अवसर पर हिन्दी पखवाड़े का आयोजन का उद्देश्य यह है कि राजभाषा के महत्व को सभी कर्मचारियों के ध्यान में लाना और इसकी प्रयोजनता को सभी के सामने रखना जिससे हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने का स्वप्न सही मायने में पूरा हो।

आप सभी यह भी जानते ही हैं कि हमारी कंपनी के देश में स्थित विभिन्न कार्यालयों में सितम्बर के महीने में प्रत्येक वर्ष हिन्दी दिवस/पखवाड़ा मनाया जाता है। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आयोजन करके हिंदी के कार्य में रुचि पैदा करते हैं जिससे राजभाषा के विकास को बल मिलता है। मेरी विनती है कि कंपनी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में आप सभी भाग लें और राजभाषा के इस राष्ट्रीय यज्ञ में अपना महत्वपूर्ण योगदान देकर सभी कामकाज, जहां तक सम्भव हो, हिंदी में ही करें।

धन्यवाद।

---

कृपया :

- सभी सामान्य आदेश, अधिसूचनाएँ, प्रेस विज्ञप्तियाँ, संविदाएं, करार, टेंडर फॉर्म, नोटिस, संकल्प, नियम, प्रशासनिक व अन्य रिपोर्टें द्विभाषी रूप में जारी करें।
- मूल पत्राचार अधिक से अधिक हिंदी में करें।
- हिंदी पत्रों या हिंदी में हस्ताक्षरित पत्रों का उत्तर हिंदी में ही दें।
- सभी स्टेशनरी सामग्री द्विभाषिक रूप में तैयार करें।
- सभी रबड़ की मोहरें द्विभाषिक तैयार करें।
- रजिस्टरों, फाइलों आदि पर विषय द्विभाषिक रूप में लिखें।

# राजभाषा पखवाड़ा समारोह

हिन्दी के प्रचार - प्रसार एवं इसके महत्व और अधिकाधिक प्रयोग के लिए हर वर्ष 14 सितंबर को पूरे देश में हिन्दी दिवस मनाया जाता है और कहीं हिन्दी सप्ताह, हिन्दी पखवाड़ा तथा कहीं - कहीं हिन्दी माह का भी आयोजन किया जाता है। जिसके अंतर्गत सरकारी कार्यालयों, स्कूलों, कॉलेज और साहित्य संगठनों द्वारा विविध कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाता है। बामर लॉरी ने अपने सभी कार्यालयों, इकाइयों और प्रतिष्ठानों में सितंबर के महीने में 'हिंदी पखवाड़ा' मनाया। अपने कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करने हेतु एवं राजभाषा के रूप में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए,पखवाड़े के दौरान कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए और विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया।

## पूर्वी क्षेत्र

हर वर्ष की भांति राजभाषा हिन्दी के प्रति कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कोलकाता स्थित प्रधान कार्यालय, जी & एल, सीएफएस और आईपी में 14 से 28 सितंबर 2018 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया।

14 सितंबर को हिन्दी पखवाड़े का उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस संदर्भ में श्री प्रबाल बासु, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा दिए गए संदेश को सभी कार्यालयों को भेजा गया। अपने संदेश में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय ने कर्मचारियों से अपील की थी कि जहां तक संभव हो, वे अपने रोज़मर्रा कार्य राजभाषा हिन्दी में करने का प्रयास करें। श्री एस एस खुंटिया, निदेशक (वित्त), श्री ए रत्नशेखर, निदेशक (मानव संसाधन एवं कॉरपोरेट कार्य) ने राजभाषा हिन्दी की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में हिन्दी प्रश्न मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस पखवाड़े के दौरान हिन्दी निबंध प्रतियोगिता, हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता, और हिन्दी स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इन कार्यक्रमों में प्रधान कार्यालय, जी&एल, सीएफएस और आईपी के कर्मचारियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया।

25 सितंबर को प्रधान कार्यालय में "बिजनेस स्टैंडर्ड" पत्रिका द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत हिन्दी लेखन एवं पठन प्रतियोगिता आयोजित की गई और विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

28 सितंबर को हिन्दी पखवाड़े का समापन समारोह का आयोजन किया गया। हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में अपने ही कार्यालय के युवा कार्यपालकों द्वारा हिन्दी गीत प्रस्तुत किए गए जिसकी सभी ने भूरी-भूरी प्रशंसा की।

## पश्चिमी क्षेत्र

# पश्चिमी क्षेत्र

प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी बामर लॉरी के पश्चिम क्षेत्र के छोटे - बड़े सभी कार्यालयों में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया था। हिन्दी पखवाड़े की शुरुआत अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर जारी किए गए संदेश को पश्चिम क्षेत्र के सभी कार्यालयों में सभी कर्मचारियों तक पहुंचाई गई। हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन दिनांक 06 से 20 सितम्बर 2018 तक किया गया था। पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे निबंध, लिखित क्विज प्रतियोगिता, राजभाषा गीत / काव्य लेखन, निविदा अनुवाद, श्रुतलेखन इत्यादि आयोजित की गयी थी। इन प्रतियोगिताओं में वरिष्ठ अधिकारियों समेत लगभग 300 से भी अधिक स्थायी / अस्थाई कर्मचारियों, एफ टी सी, डाइरेक्ट कांट्रैक्ट एवं आउटसोर्स ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

हिन्दी भारत की राजभाषा एवं संपर्क भाषा दोनों ही है जो पूरे भारत को एक सूत्र में जोड़ती है। राजभाषा हिन्दी की प्रगति के लिए भारत संघ की नीति "प्रेरणा और प्रोत्साहन" की रही है और इसमें कोई संदेह नहीं कि आज हमारे कार्यालयों में हिन्दी के प्रति लगाव एवं सम्मान की भावना उत्पन्न हुई है। प्रतियोगिताओं के दौरान यह स्पष्ट रूप से महसूस किया गया कि हिन्दी सभी की आत्मा में बसती है, बस है तो "झिझक का बहुत मोटा आवरण" जो दैनिक काम-काज में बाधक के तौर पर खड़ी है। जन जन की प्रिय भाषा होने के कारण सभी अधिकारियों / कर्मचारियों ने सहर्षता एवं उत्साहपूर्वक भाग लिया और हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना आत्मिक योगदान दिया। कुल 142 अधिकारियों / कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया।

पुरस्कार वितरण के अवसर पर सभी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा राजभाषा हिन्दी के प्रयोग एवं उसके उपयोग पर सभी उपस्थित अधिकारियों / कर्मचारियों को संबोधित किया गया एवं हिन्दी पखवाड़े के सफल आयोजन में उनके प्रयत्न, प्रतिभागिता और उत्साह की प्रशंसा की गई।

## उत्तरी क्षेत्र

प्रत्येक वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी बामर लारी के उत्तरी क्षेत्र में स्थित समस्त कार्यालयों में हिंदी पखवाड़े का आयोजन दिनांक 01 से 15 सितंबर तक किया गया। इस दौरान सक्षम प्राधिकारी के अनुमोद्नोपरांत दिल्ली एवं गुरुग्राम स्थित कार्यालयों में हिंदी निबंध लेखन और दैनिक टिप्पणी लेखन/प्रारूप लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित किए गये। उक्त प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को उनकी प्रविष्टियों के मूल्यांकन के आधार पर चेक देकर पुरस्कृत किया गया। इस हेतु प्रतिभागियों के मध्य प्रथम, द्वितीय, तृतीय व दो सांत्वना पुरस्कार के रुप में क्रमश: रु. 1000/- रु. 700/- रु. 500/- व रु. 250/- की राशि प्रदान करने प्रावधान रखा गया था। उक्त दो प्रतियोगिताओं के साथ ही हिंदी दिवस के दिन (14 सितंबर 2018) हिंदी प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन स्कोप कार्यालय में किया गया, जिसमें 15 प्रश्न राजभाषा व सामान्य ज्ञान पर आधारित पूछें गये जिनके सही जवाब देने पर प्रति प्रश्न रु. 100 का नकद पुरस्कार विजेता को दिया गया। कुल पुरस्कार धनराशि रु. 6900 था।

इसके अतिरिक्त असौटी प्लांट में उपर्युक्त दो हिंदी प्रतियोगिताएं करायी गयी जिसमें कुल रु. 2500 के 6 पुरस्कार (2 प्रथम, 2 द्वितीय व 2 तृतीय) ब्रांच स्तर पर ही प्रदान किए गये।

पखवाड़े के दौरान संपन्न विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कारों का वितरण 14 सितंबर 2018 को हिंदी दिवस समारोह के दौरान दिल्ली के स्कोप काम्प्लेक्स कार्यालय में किया गया।

## दक्षिणी क्षेत्र

# दक्षिणी क्षेत्र

दक्षिणी क्षेत्र में हिन्दी पखवाड़ा समारोह 1 से 14 सितंबर 2018 तक भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर निम्नलिखित प्रोग्राम आयोजित किए गए।

4 सितंबर को श्री ए तिरुवाम्बलम, उपाध्यक्ष (कार्य) एवं श्री तपन चौधुरी, सह उपाध्यक्ष (विपणन) की अध्यक्षता में हिन्दी भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता का वे निर्णायक भी थे।

6 सितंबर को प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता आयोजित की गयी। श्री तपन चौधुरी, सह उपाध्यक्ष (विपणन) एवं श्री जयंत कुमार बासु, सह उपाध्यक्ष (निर्यात) ने राजभाषा हिन्दी लिखित प्रशासनिक शब्दावली प्रश्नोत्तर जांच किये।

हिन्दी अंताक्षरी समूह प्रतियोगिता का आयोजन 8 सितंबर को किया गया। श्री एस डी बर्मन, सह उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) सीएचआरडी & एसआर एवं श्री तपन चौधुरी, सह उपाध्यक्ष (विपणन) निर्णयकगन थे।

11 सितंबर को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में अतिथि वक्ता थे डॉ. पी आर वासुदेवन, सेवानिवृत वरिष्ठ हिंदी अधिकारी, प्रिंसिपल एकाउंटेंट का कार्यालय, भारत सरकार।

12 सितंबर को हंसो और हँसाओ प्रतियोगिता में निर्णायक श्री सुब्रत देव, मुख्य प्रबंधक (मानव संसाधन) एसआर थे।

14 सितंबर को राजभाषा कार्यान्वयन के अध्यक्ष, श्री आर एम उदयराजा, मुख्य परिचालन अधिकारी (एलसी) की अध्यक्षता में चेन्नई में भव्य रूप से हिन्दी दिवस, हिन्दी पखवाड़ा समारोह मनाया गया। श्री एस डी बर्मन, सह उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) सीएचआरडी & एसआर ने श्री प्रबाल बासु, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के हिन्दी संदेश को पढ़ा, जिसमें सभी विभागाध्यक्ष, प्रबन्धकगण, अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित थे।

इसके बाद श्री आर माधवन, वरिष्ठ प्रबन्धक (क्वालिटी कंट्रोल) ने धर्मेंद्र प्रधान, माननीय मंत्री पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, कौशल विकास एवं उधमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अपील को पढ़ा, जिसमें सभी विभागाध्यक्ष, प्रबन्धकगण, अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित थे।

राजभाषा कार्यान्वयन के अध्यक्ष श्री आर एम उदयराजा, मुख्य परिचालन अधिकारी (एलसी) ने आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया।

# बामर लॉरी को राजभाषा पुरस्कार

दिनांक 24 अगस्त 2018 को कोलकाता में आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) कोलकाता की छमाही बैठक के दौरान बामर लॉरी को राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में श्रेष्ठ निष्पादन हेतु 'राजभाषा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। चित्र में पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री कौशिक प्रसाद, उप प्रबंधक (राजभाषा कार्यान्व्यन) एवं श्री गोपाल दास, अधिकारी (राजभाषा व मा.सं.)।

# हिंदी कार्यशाला

दिनांक 8 अगस्त 2018 को प्रधान कार्यालय के प्रशिक्षण केंद्र में एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन निदेशक (मा.सं.& सीए), श्री ए रत्नशेखर द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में संकाय सदस्य के रूप में श्रीमती क़ैसर जहाँ, पूर्व सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना, पूर्वी क्षेत्र को आमंत्रित किया गया, जिन्होने राजभाषा नीति, नियम, अधिनियम, हिंदी में नोटिंग / ड्राफ्टिंग / पत्राचार के बारें में चर्चा की। कार्यशाला में कुल 25 अधिकारियों / कर्मचारियों ने भाग लिया।

# हिंदी प्रशिक्षण

हर वर्ष कर्मचारियों के लिए हिन्दी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम दो बार आयोजित किए जाते हैं। पिछले सत्र में हिन्दी प्रवीण एवं प्राज्ञ परीक्षाओं में उत्तीर्ण कर्मचारियों का विवरण निम्नानुसार दिया गया हैं:

| | | |
|---|---|---|
| सुश्री इंद्राणी मुखर्जी | आईपी | **प्रवीण** |
| श्री कौस्तव सेन | सचिव | **प्रवीण** |
| श्री अजय कुमार बोस | क्षे.मा.सं. | **प्रवीण** |
| श्री अभिषेक सरकार | आईटी | **प्रवीण** |
| श्री सुरजीत बासु | टी&वी | **प्रवीण** |
| श्री उज्जवल पाचाल | एलएस | **प्रवीण** |
| श्री अमर्त्य बासु | कराधान | **प्राज्ञ** |

# स्वच्छता ही सेवा है

स्वच्छ भारत अभियान और महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के हिस्से के रूप में, स्वच्छता ही सेवा 15 से 30 सितंबर 2018 तक विभिन्न क्षेत्रों के इकाइयों व प्रतिष्ठानों में आयोजित की गई थी। इस आंदोलन को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से स्वच्छता ड्राइव, जागरूकता रैलियों और स्कूलों में कार्यशालाएं, वैयक्तिक-स्वच्छता और स्वच्छता पर व्याख्यान-सत्र, अंकन प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं, डेंटल-किट और साबुन का वितरण, बायोडिग्रेडेबल और गैर-जैव-अवक्रमणीय अपशिष्ट आदि के लिए डस्टबिनों का वितरण जैसे कार्यकलाप किए गए।

नई दिल्ली में, सभी इकाइयों और प्रतिष्ठानों में प्रतिज्ञा-पाठ के अलावा, स्वच्छता पर नारे प्रदर्शित किए गए थे और 29 सितंबर को स्कोप कॉम्प्लेक्स और जंगपुरा मेट्रो स्टेशन के आसपास एक स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया था। असौटी में, संयंत्र परिसर को साफ किया गया और एक स्कूल में एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। जुंडसा, पलवल, फरीदाबाद में सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए जागरूकता सत्र आयोजित किए गए।

चेन्नई में नष्ट होने योग्य और गैर-अपघटन योग्य अपशिष्ट निपटान के लिए स्थानीय समुदाय को उचित अपशिष्ट प्रबंधन के लिए डस्टबिन वितरित किए गए थे। मनाली औद्योगिक परिसर के पास खाइयों में अपशिष्ट और झाड़ियों की सफाई का आयोजन बारिश या सीवेज पानी के मुक्त प्रवाह के लिए और मच्छरों के प्रजनन व दुर्घन्ध को रोकने के लिए किया गया था। इससे आस-पास रहने वाले समुदायों को फायदा हुआ।

मुंबई में, दयानंद बालिका विद्यालय, माटुंगा (पूर्व) में बैठ कर अंकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 'सामान्य स्वास्थ्य और स्वच्छता' पर एक सत्र डॉ दलवी द्वारा संबोधित किया गया और 795 सैनिटरी पैड वितरित किए गए। सीएफएस, मुंबई (द्रोणागिरी) के पास रायगढ़ जिला परिषद स्कूल, भिंडखल में छात्रों और शिक्षकों के लिए जागरूकता रैली आयोजित की गई। शिक्षकों और बामर लॉरी (बीएल) के अधिकारीयों के साथ रैली में लगभग 90 छात्रों ने भाग लिया। श्री पार्थो चैटर्जी, वीपी (एचआर), डब्ल्यूआर द्वारा स्कूल के छात्रों को साबुन वितरित किया गया। सीट एंड ड्रा, क्विज़ और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और 45 छात्रों ने इनमें सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ सिप्पी ने वैयक्तिक-स्वच्छता और स्वच्छता पर एक व्याख्यान दिया जिसमें लगभग 80 छात्रों की भागीदारी देखी गई। विजेताओं को प्रशंसा के प्रतीक के रूप में पुरस्कार वितरित किए गए। आईपी, नवी मुंबई स्थित रायगढ़ जिला परिषद स्कूल, पडघे में डॉ कुडाची द्वारा एक एक व्याख्यान दिया गया और इसमें ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। लगभग 220 स्कूली छात्र व शिक्षकगणों ने बीएल अधिकारीयों के साथ इस सत्र में भाग लिया। छात्रों को लगभग 310 ऐसे किट वितरित किए गए जिसमें टूथपेस्ट, टूथब्रश और साबुन शामिल हैं।

सिल्वासा में, जी & एल - सिल्वासा द्वारा 1 और 2 अक्टूबर 2018 को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। विनोबा भावे सरकारी अस्पताल, सिलवासा के सौजन्य से स्वास्थ्य जांच शिविर, 12 जोन्स के बीच 5 एस प्रतियोगिता, स्वच्छता ही सेवा पर जागरूकता सत्र के दौरान स्पॉट क्विज़ प्रतियोगिता, स्लोगन एवं निबंध प्रतियोगिता, स्वच्छता ही सेवा रैली और स्कूल के छात्रों को स्वच्छता किटों के वितरण जिसमें प्लांट के आस-पास रहने वाले समुदायों एवं कर्मचारियों की भागीदारी देखी गई। विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। आईपी, सिल्वासा के फैक्ट्री परिसर में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई और दो स्कूलों में चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

वर्ष 2019 में स्वच्छ भारत अभियान की समाप्ति के साथ, देश महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती पर 'स्वच्छ भारत' उपहार देकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करेगा। महात्मा ने कहा था कि स्वच्छता ईश्वरीयता के समीप है। 2 अक्टूबर 2018 को बापू को पुष्प श्रद्धांजलि अर्पित की गई थी और हरित कवर की रक्षा के लिए स्वच्छता और वृक्षारोपण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

# अपने नेतृत्व को जाने...

**संध्या मलिक**
प्रधान - टिकटिंग, एसबीयू: ट्रैवल & वेकेशंस

**1. बामर लॉरी में रहने की आपकी प्रेरणा?**

अवसरों और चुनौतियों के साथ ब्रांड की वंशावली की ताकत जो यहां प्राप्त होती है।

**2. महत्वपूर्ण व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत उपलब्धियाँ?**

पेशेवर रूप से मैं एक आत्मनिर्भर और निर्धारित व्यक्तित्व हूं और सबसे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी प्रदर्शन करने में सक्षम हूं। व्यक्तिगत मोर्चे पर मैं अपनी कार्यस्थल और मेरे घर और परिवार में भी अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों में एक अच्छा संतुलन स्थापित करने में सक्षम हूं।

**3. आपके परिवार में कौन-कौन हैं?**

मेरे पति, बेटी और मेरी माँ।

**4. किस व्यक्ति ने आपको सबसे अधिक प्रभावित किया और क्यों?**

मेरे पिता। उन्होने मुझे कभी हिम्मत न हारने और हमेशा अपना सिर ऊंचा रखने के लिए सिखाया है।

**5. आपका पसंदीदा वाक्य क्या है?**

'वाक द टॉक'

**6. आपके शौक क्या हैं?**

खाना बनाना मेरे लिए एक तनाव निवारक है। मुझे नेटफ्लिक्स पर थ्रिलर्स और नाटक देखना पसंद है।

**7. आपका पसंदीदा यात्रा स्थल कौन सा है?**

नीदरलैंड

**8. दो चीजें अपने बारे में जिन्हें आप अपने सहयोगियों को बताना चाहती हैं?**

मैं एक मनोरंजन प्रेमी व्यक्तित्व हूं, जो जीवन के हल्के पहलू का आनंद लेती है और मैं मेरी टीम के प्रति सहानुभूति रखती हूँ।

**9. आपकी प्रबंधन शैली या मंत्र?**

'मैं प्रभार ग्रहण करती हूं।'

**10. सभी बामर लॉरी कर्मचारियों के लिए संदेश**

बामर लॉरी का हिस्सा बनने पर गर्व महसूस करती हूं और इसे अधिक ऊंचाइयों तक ले जाना चाहती हूं।

# अपने साथी बामर लॉरीयन को जाने...

**पूर्वी शाह**
प्रधान - उत्पाद एवं प्रचालन
(आउटबाउंड), वेकेशंस - मुम्बई

**बामर लॉरी में आप कब से काम कर रही हैं और वर्तमान में आपकी भूमिका/विभाग क्या है?**

मैंने लगभग 11 महीने बामर लॉरी के साथ कार्य किया है और वर्तमान में मैं उत्पाद एवं प्रचालन (आउटबाउंड) की प्रधान हूँ।

**आपको बामर लॉरी में क्या पसन्द है?**

मैं बामर लॉरी को बहुत पसन्द करती हूँ क्योंकि यहाँ बहुत शांत प्रकृति के लोग हैं जिनके साथ यहाँ कार्य करना रोचक है और इससे कठोर परिश्रम करने की इच्छा होती है।

**बामर लॉरी में आपका सबसे यादगार पल कौन-सा है?**

अभी तो ऐसा कुछ नहीं है क्योंकि मैं यहाँ अभी बहुत कम समय से हूँ।

**जीवन में आपकी प्रेरणा कौन है और क्यों?**

शाहरुख खान - उन्होंने बिना किसी की सहायता के अपने स्वयं के परिश्रम से जिस प्रकार अपना कैरियर बनाया इस कारण वह मेरी प्रेरणा हैं।

**आप कहाँ की रहने वाली हैं और आपके परिवार में कौन-कौन हैं?**

मैं मुम्बई की रहने वाली हूँ और मेरे परिवार में मेरे माता-पिता, एक बड़ी बहन तथा एक छोटा भाई है।

**आपके शौक क्या-क्या हैं?**

चित्रकारी, कढ़ाई (Crochet), फिल्में देखना तथा यात्रा करना।

**आपको ऐसे संगठन का हिस्सा बनने पर कैसा महसूस होता है जिसकी 150 वर्षों की एक परम्परा है?**

इस संगठन का हिस्सा बनने पर मुझे बहुत अच्छा लगता है।

**बामर लॉरी में आप कितने समय से कार्य कर रहे हैं और आपकी भूमिका / विभाग क्या है?**

मैं इस प्रतिष्ठित संस्थान में 1 जून, 2011 को शामिल हुआ। वर्तमान में मैं चेन्नई में कंटेनर फ्रेट स्टेशन (सीएफएस) में मुख्य प्रबन्धक हूँ।

**आपको बामर लॉरी में क्या पसंद है ?**

बामर लॉरी की सबसे अच्छी बात यह है कि यह विभिन्न प्रकार्यों में अपने ग्राहकों की सेवा के प्रति कटिबद्ध है। मैंने स्वयं इसका अनुभव एसबीयू: लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर में किया और अपने अनेक ग्राहकों से धन्यवाद प्राप्त किया। जब मैंने बामर लॉरी में शामिल होने का निर्णय लिया तो अनेक लोगों ने इसे सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनी बताते हुए मुझे हतोत्साहित करते हुए कहा कि इसकी संस्कृति सामान्य सरकारी कार्यालयों की भाँति होगी। किसी कार्य के क्रियान्वयन के लिए अनुमति लेना अत्यन्त संघर्षपूर्ण होगा और अपने विचारों की अभिव्यक्ति करने की स्वतन्त्रता नहीं होगी। किन्तु मुझे यहाँ जो अनुभव हो रहा है वह एकदम विपरीत है। बामर लॉरी में हम नवाचार के साथ सोचते हैं और यदि किसी ने अपने सुझावों को संगठन के हित में उचित सिद्ध ठहराया तो उसे उचित निर्देशन के साथ हर प्रकार की सहायता प्रदान की जाती है।

**आर. रघुपति**
मुख्य प्रबन्धक, कंटेनर फ्रेट स्टेशन-चेन्नई

**बामर लॉरी में आपका सबसे यादगार पल कौन-सा है?**

बामर लॉरी में मेरे मुख्य अविस्मरणीय पल निम्नलिखित हैं :

- जब मैं इस कम्पनी में शामिल हुआ तो 15 मार्च, 2011 के दिन कोलकाता स्थित 100 से अधिक वर्ष पुराने बामर लॉरी के भवन में मेरा साक्षात्कार लिया गया।
- 1 जून, 2011 का वह दिन जब मैंने सीएफएस, चेन्नई में पदभार ग्रहण किया।
- वह दिन 18 अप्रैल, 2018 को हमारे सीएफएस, चेन्नई को "कंटेनर फ्रेट स्टेशन ऑफ द ईयर" का प्रतिष्ठित गेटवे मैरीटाइम अवार्ड प्राप्त हुआ।
- वह दिन जब समस्त सीएफएस, चेन्नई टीम को 9 जून, 2016 को अपने सभी मानदण्डों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 2014-15 का उत्कृष्ट इकाई पुरस्कार निदेशक (सेवा व्यवसाय) तथा सीओओ (लॉजिस्टिक्स) द्वारा पुरस्कृत किया गया।

**जीवन में आपकी प्रेरणा कौन है और क्यों ?**

मेरी पत्नी आर. माला मेरे जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा है। "लोग जैसे हैं उसी रूप में स्वीकार करो और स्थितियाँ जैसी हैं उसी रूप में स्वीकार करो" उसका मन्त्र है। जब कोई चीज उसके नियन्त्रण से बाहर हो जाती है तो वह न तो हारकर बैठती और चिल्लाती है तथा कार्यसिद्धि होने पर बहुत अधिक प्रसन्नता भी नही दर्शाती है। वह वास्तविकता को समझती है और सभी स्थितियों में सन्तुलन स्थापित करने की क्षमता रखती है। मुझे उसका सहयोग और निर्देशन सदैव प्रेरित करता रहता है।

मेरे पेशेवराना जीवन में कई लोगों ने मुझे प्रेरित किया और मुझे निखारा। विशेष रूप से मेरे समीक्षा अधिकारी श्री आर्थर बर्टी साइमन और मैसर्स गति लिमिटेड में दूसरे वरिष्ठ जहाँ बामर लॉरी में कार्य करने से पूर्व मैंने 17 वर्षों तक कार्य किया। यद्यपि वह सबसे वरिष्ठ थे और लॉजिस्टिक्स तथा आपूर्ति शृंखला का गहन अनुभव रखते थे किन्तु वह अत्यन्त विनम्र, मित्रवत तथा सहज मिलने-जुलने वाले थे। वे हमेशा कहते थे "अन्य लोग जो कर रहे हैं वह अप्रासंगिक है। वास्तव में आप का कार्य महत्त्वपूर्ण है। आप जो कर रहे हैं उसका अलग महत्त्व है और आप केवल उसे ही नियन्त्रित कर सकते हैं।"

**आप कहाँ के निवासी हैं और आपके परिवार में कौन-कौन हैं?**

मेरा जन्म तथा पालन-पोषण दक्षिण तमिलनाडु के ऐतिहासिक स्थल "थंजावुर" में हुआ। मेरी माता श्रीमती आर. धारुमम्बल राममूर्ति हमारे परिवार की अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक हैं तथा मेरी पत्नी आर. माला सीईओ हैं और हमारे परिवार के दैनिक क्रियाकलापों तथा सम्पूर्ण प्रशासन, वित्त आदि का कुशलतापूर्वक संचालन कर रही हैं। मेरे जुड़वा बच्चे आर. अभिषेक ने अभी हाल ही में बीई-मैकेट्रॉनिक्स पूरी की है तथा दूसरी आर. कृतिका एम.एस-सी. क्लिनिकल न्यूट्रीशन के द्वितीय वर्ष में है। ये ही हमारे परिवार की अचल सम्पत्ति हैं।

**आपके शौक क्या-क्या हैं?**

मुझे पुरानी फिल्में देखना तथा पुराने मधुर गीत सुनना पसन्द है।

**आपको ऐसे संगठन का हिस्सा बनने पर कैसा महसूस होता है जिसकी 150 वर्षों की एक परम्परा है?**

ऐसे अद्भुत संगठन का हिस्सा बनने पर मुझे अत्यन्त गर्व का अनुभव हो रहा है जिसका वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता है। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे बामर लॉरी की विकास की कहानी का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त हुआ है। इस संगठन में कर्मचारियों को अपनी बातें रखने की स्वतन्त्रता है। एसबीयू: लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर में हम एक परिवार की भाँति रहते हैं और एक-दूसरे के साथ हमारा बेहतर तालमेल रहता है।

**रूही सिंह**
वरिष्ठ प्रबन्धक, सतर्कता-दिल्ली

**आप बामर लॉरी में कितने दिनों से कार्य कर रही हैं और आपकी भूमिका / विभाग क्या है?**

8 जुलाई, 2003 का दिन मैं कभी नहीं भूल सकती क्योंकि इसी दिन मैंने नई दिल्ली में बामर लॉरी के पर्यटन विभाग में कार्यभार संभाला था। पर्यटन विभाग की यह अतिरंजना थी। मैंने इस विभाग में लगभग 12 वर्षों तक तेजी से बदलती हुई व्यापारिक प्रक्रियाओं को अत्यन्त सूक्ष्मता से देखा। 2015 में मेरा स्थानान्तरण उत्तरी क्षेत्र के सतर्कता विभाग में किया गया जिससे मुझे कम्पनी के विभिन्न प्रकार्यों के विषय में जानने का पर्याप्त अवसर मिला। वरिष्ठ प्रबन्धक के रूप में मुझे कम्पनी की विविध गतिविधियों के एसओपी को समझना, निर्धारित दिशा-निर्देशों का अनुपालन करना, यदि कोई विचलन हो तो उसे समझना, वित्तीय अनियमितताओं का परीक्षण करना तथा क्रमबद्ध उन्नयन के लिए सुझाव देने का कार्य करना होता है।

**आपको बामर लॉरी में क्या पसंद ?**

बामर लॉरी एक उत्साही संगठन है और परिवर्तनशील व्यापारिक परिदृश्य के अनुरूप स्वयं को ढाल लेता है। 150 से अधिक वर्षों तक व्यापारिक अभिवृत्तियों की अनिश्चितताओं के बावजूद इसकी सफलता सारी कहानी बता देती है। कम्पनी अपने उपागमों में अत्यन्त समावेशी है। इसका समग्र परिवेश अनौपचारिक है और इस कारण पारस्परिक विश्वास तथा भरोसा बना रहता है। वरिष्ठों / श्रेष्ठों से सरलता से मिला जा सकता है जिससे कार्य-अनुभव में वृद्धि होती है और लोग परस्पर जुड़े रहते हैं। गत 15 वर्षों में कम्पनी ने मुझे जो गौरव दिया है उसके लिए मैं प्राय: कहती हूँ, 'मैंने बामर लॉरी की आँखों से सम्पूर्ण विश्व देख लिया।' जरूरत के समय कम्पनी सदैव मेरे साथ खड़ी रही और मैं कम से कम अपना 100% ही इस कम्पनी को दे सकती हूँ।

**बामर लॉरी में आपका सबसे यादगार पल कौन-सा है?**

बामर लॉरी में मेरा सबसे अविस्मरणीय पल वे थे जब हम अपनी कम्पनी की 150 वीं वर्षगाँठ मनाने के लिए 'Mr. / Ms. Balmer Lawrie Competition' में भाग लेने के लिए दिसम्बर 2016 में मुम्बई गये थे। 'Be Stylish, Be Elegant and Be a Balmer Lawrien' स्लोगन अत्यन्त प्रभावशाली था। पहले दिन जब हम अपने साथियों से मिले तो हम सभी अपरिचित और अन्यमनस्क थे। हमारे कोरियोग्राफर ने एक ही कार्य के लिए हम सबको एक साथ अपने निष्पादन के लिए अवसर दिया जिसे अगले 1 दिन में पूरा करना था और वह अत्यन्त कठिन प्रतीत होता था। यह जानकर कि पूरा समूह परम्परा तथा उत्सव के वातावरण में लिप्त था तो कोरियोग्राफर ने प्रसिद्ध बम्बइया फिल्मी गानों पर मुक्त नृत्य कराने का विचार किया। इससे पूरा माहौल बदल गया और इससे साथियों में 'स्वस्थ मिलन' के लिए एक प्रेरणा मिली और अब हम सभी मित्र हो चुके थे। इसके बाद हमारी सहक्रिया कल्पना से परे थी, हमारी आँखों में उल्लास की चमक थी और हम अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ थे। अन्तिम निष्पादन शानदार रहा और सम्पूर्ण प्रकरण एक अविस्मरणीय टीम भावना भरने वाला था। इससे मुझे कोई लक्ष्य प्राप्त करने में सहयोग की कला सीखने में सहायता मिली।

**जीवन में आपकी प्रेरणा कौन है और क्यों?**

मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा 76 वर्षीय मेरी सुन्दर माँ हैं। उन्होंने जीवन में उतार-चढ़ाव का जिस साहस से सामना किया वह प्रशंसनीय है। वे मेरी सबसे बड़ी आलोचक हैं और मुझे आकाश की ओर देखने तथा अपने पाँव जमीन पर रखने वाले व्यक्ति के रूप में निखारने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। मैं वास्तव में उन्हें 'never say die' की अभिवृत्ति समर्पित करना चाहती हूँ। मैं वास्तव में चाहती हूँ कि मैं अपनी बेटी के लिए वह सब कुछ कर सकूँ जो उन्होंने मेरे लिए किया है।

मेरी प्रसन्नचित्त बेटी तथा एक समायोजनकारी पति का विशेष उल्लेख करना चाहूँगी जिन्होंने मुझमे जीवन को पूर्ण रूप से जीने की इच्छा को बनाये रखी।

**आप कहाँ की निवासी हैं और आपके परिवार में कौन-कौन हैं ?**

मेरा जन्म तथा पालन-पोषण नई दिल्ली में हुआ और मुझे होली चाइल्ड स्कूल तथा हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की विद्यार्थी रहने का गर्व है। मेरे साथ मेरे सदा सहयोगी पति, एक चुलबुली बेटी खुशी तथा एक वयोवृद्ध माता हैं जो प्रत्येक प्रकार से मेरे जीवन की रीढ़ हैं। मैं अपने माता-पिता की इकलौती सन्तान हूँ और परिवार से मुझे जो सहयोग तथा प्रोत्साहन अपने माता-पिता तथा सास-ससुर से मिला उसके बाद मुझे किसी और चीज की चाहत नहीं रही।

**आपके शौक क्या-क्या हैं?**

मुझे यात्रा करना अत्यन्त प्रिय है और मैं लोगों से यात्रा करने के लिए कहती हूँ क्योंकि मेरा दृढ़ विश्वास है कि जिसने यात्राएँ नहीं कीं उसने जीवन रूपी पुस्तक का अध्ययन नहीं किया। मेरे विचार से यात्राएँ प्रकृति रूपी माँ, विभिन्न संस्कृतियों के लोगों तथा सबसे महत्त्वपूर्ण बात कि स्वयं से अन्तर्क्रिया करने का अवसर प्रदान करती हैं। इसके अतिरिक्त मुझे अंग्रेजी उपन्यास, शास्त्र, लघु कथाएँ तथा स्वयं-सहायी पुस्तकें पढ़ने का भी शौक है।

**आपको ऐसे संगठन का हिस्सा बनने पर कैसा महसूस होता है जिसकी 150 वर्षों की एक परम्परा है?**

जब भी मैं बामर लॉरी बोलती हूँ तो मेरे माथा ऊँचा हो जाता है। ऐसे लोग अधिक नहीं हैं जिन्हें बामर लॉरी जैसी समृद्ध परम्परा वाली कम्पनी का अंग बनने का अवसर मिला हो। यहाँ कार्य करने वाले कर्मचारी 30 से अधिक वर्षों से कार्यरत हैं जिससे इस कम्पनी का चरित्र तथा परम्परा में वृद्धि होती है। मुझे कोलकाता स्थित श्रेष्ठ बामर लॉरी हाउस से सम्बद्ध होने पर गर्व है जिसकी संरचना सामुदायिक है और आत्मा दृढ़ है। ऊँची छतें तथा लकड़ी की सीढ़ियाँ कार्यस्थल को प्राचीन रूप प्रदान करती हैं। कम्पनी ने सदैव अपने कर्मचारियों का पोषण किया है और लोगों ने बामर लॉरी के संरक्षण में अत्यन्त प्रगति की है जिसके लिए हमें इसके प्रति अत्यन्त कृतज्ञ होना चाहिए।

---

**बामर लॉरी में आप कितने दिनों से कार्य कर रहे हैं और आपकी भूमिका / विभाग क्या है?**

**अर्णब घटक**
वरिष्ठ प्रबन्धक, सेंट्रल प्रोक्योरमेंट,
जीएण्डएल-कोलकाता

बामर लॉरी में कार्य आरम्भ करने से पूर्व मैं भारत की एक विशालतम स्टील कम्पनी में कार्यरत था। मैं इस प्रतिष्ठित संस्थान में मई 2013 में शामिल हुआ। वर्तमान में मैं ग्रीसेज & लुब्रीकेंट्स (जी&एल) कोलकाता तथा अखिल भारतीय स्तर पर विभिन्न पदों पर कार्य करने के उपरान्त वरिष्ठ प्रबन्धक (एससीएम) के रूप में कार्यरत हूँ।

**बामर लॉरी में आपको क्या अच्छा लगता है?**

ऐसी अनेक चीजें हैं। बामर लॉरी में अपेक्षाकृत एक उत्तम कार्य परिवेश है। मैंने अपने वरिष्ठों से बहुत कुछ सीखा है और मैं उनका बहुत आभारी हूँ। प्रारम्भ से ही जब से मैं इस परिवार का सदस्य बना और अब तक मेरे सहकर्मियों ने मेरे कार्य में सदैव सहयोग दिया। मैं जी&एल के सभी विभागों को उनके सहयोग के लिए प्रशंसा करता हूँ।

**बामर लॉरी में आपका सबसे यादगार पल कौन-सा है ?**

ऐसी एक घटना जून 2015 में घटित हुई जब हम अपने रिटेल डिवीजन हेतु बामरोल के सभी नये छोटे पैक प्रारम्भ करने की तैयारी में थे। हमें एक अत्यन्त सीमित समय में कार्य पूरा करना था और इसे समय पूर्व ही प्रारम्भ किया गया। हमने चुनौती स्वीकार की क्योंकि कार्य करने के लिए हमारे पास समय कम था। टीसीआर को अन्तिम रूप देना तथा अनुमोदित कराना, विक्रेता के अनुबन्ध करना, आयातित आईएमएल लेबलों सहित नये कंटेनर खरीदना तथा उद्घाटन अवसर से पूर्व उन पैकों को उचित स्थान पर रखना आदि कार्य समय पर सफलतापूर्वक पूरे कर लिये गये। अब पैकों की व्यापार तथा बाजार में अत्यन्त प्रशंसा हो रही है।

**जीवन में आपका प्रेरणास्रोत कौन है और क्यों?**

मुझे प्रेरणा तभी मिलता है जब कोई व्यक्ति मुझे अन्य अथवा स्वयं मेरे लिए कुछ लाभकारी कार्य करने अथवा कुछ सृजनात्मक कार्य करने या अनुभूति के लिए पर्याप्त प्रेरणा प्रदान करता है। प्रत्येक व्यक्ति मेरे जीवन में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है क्योंकि आज मैं जो कुछ हूँ उन्हीं के कारण हूँ। मेरे माता-पिता, मेरी पत्नी, मेरे मित्र, मेरे वरिष्ठों ने मुझे विभिन्न प्रकार से मेरे व्यक्तिगत एवं पेशेवर जीवन में प्रेरणा प्रदान की।

**आप कहाँ के निवासी हैं और आपके परिवार में कौन-कौन हैं?**

मैं मूलत: दुर्गापुर से हूँ। दुर्गापुर से स्कूली शिक्षा समाप्त करने के उपरान्त मैंने बैंगलौर विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.ई. तथा एनएमआईएमएस, मुम्बई से पोस्ट-ग्रेजुएशन किया। मेरे परिवार में कक्षा 3 में पढ़ने वाली मेरी बेटी, मेरी पत्नी, मेरी माता तथा मेरे सास-ससुर हैं। कठिन समय में हम एक-दूसरे की सहायता करते हैं और खुशियों के क्षण एक साथ मनाते हैं।

**आपके शौक क्या हैं?**

समय के साथ मेरे शौक में परिवर्तन हुए हैं। बचपन में मैं क्रिकेट तथा फुटबॉल खेलने का शौकीन था। अब इस समय मैं खेलों को देखने वाला एक उत्तम दर्शक हूँ। इसके अतिरिक्त अब मैं प्रतिवर्ष कोलकाता मैराथन में भाग लेना पसन्द करता हूँ। मैं अपने परिवार तथा मित्रों के साथ लांग ड्राइव पर जाना पसन्द करता हूँ।

**आपको ऐसे संगठन का हिस्सा बनने पर कैसा महसूस होता है जिसकी 150 वर्षों की एक परम्परा है?**

मैं इस महान संस्थान का सदस्य होने पर वास्तव में गौरवान्वित महसूस करता हूँ जिसकी 151 वर्षों की एक समृद्ध विरासत तथा संस्कृति है। मैं आशावादी हूँ कि मैं इस संगठन के लक्ष्य तथा उद्देश्यों के साथ अपनी क्षमताओं को ढूँढने में सक्षम हूँ जो आने वाले समय में कम्पनी के लिए लाभकारी होगा।

---

# टैलंट अनलिमिटेड

अधिकारियों / कर्मचारियों द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के दौरान कुछ कवितायें लिखी गई थी। ये कवितायें एकदम से मौके पर (on the spot) लिखी गई थी, जिससे स्पष्ट होता है कि हिन्दी के भाव आज भी सभी के सोच में बसती है।

## मेरी बोली मेरी माँ

मेरी बोली मेरी माँ,
मेरी हिन्दी मेरी माँ
इस माँ के हैं पुत्र हज़ार
सबके अलग अलग रूप पर एक है विचार
इन विचारों को करती बयां,
मेरी बोली मेरी माँ, मेरी बोली मेरी माँ, मेरी हिन्दी मेरी माँ

साहित्य का सागर साथ लिए, देशवासियों का हाथ लिए
महाज्ञानियों की बात लिए, बनाएँ महापुरुषों का कारवाँ
मेरी बोली मेरी माँ, मेरी बोली मेरी माँ, मेरी हिन्दी मेरी माँ

हिन्दी करूँ मैं तुम्हें सलाम, तूने दिया मुझे पूर्वजों का पैगाम,
मुझको स्वर्णिम इतिहास पढ़ाया, आज़ादी का लाभ दिखाया
अँग्रेजी को दिया हिला,
मेरी बोली मेरी माँ, मेरी बोली मेरी माँ, मेरी हिन्दी मेरी माँ

प्रभु संग प्रीत का ज़रिया है तू,
अपार ज्ञान का दरिया है तू,
ग्रंथ गुरुओं से भी बढ़िया है तू,
मेरी सफलता की छत का सरिया है तू,
हर दम गाऊँ तेरी वाह,
मेरी बोली मेरी माँ, मेरी बोली मेरी माँ, मेरी हिन्दी मेरी माँ

प्रियांक छावड़ा,
सी एफ एस, द्रोणागिरी, मुंबई

## करो हिन्दी का सम्मान

हिन्दी कितनी है सरल,
जैसे झरना बहता कल-कल
हर गली, हर मुहल्ला,
हर नगर फैलाये एकता हर पल।

कितनी मधुर है इसकी बोली,
हर जात, धर्म, वर्ण को समेटे
खेले एकता की होली।

कश्मीर से मद्रास तक,
गुजरात से बंगाल तक
हम भारतवासी बोले एक ही बोली,
हिन्दी है हमारी जननी,
है एक रंगोली।

आओ मिलकर हम सब करे
सम्मान हिन्दी का
अपनाये इसे अपने व्यवहारों में और
बढ़ाएँ सम्मान इस बोली का।

लगाएँ हिन्दी का पौधा हम अपने जीवन में
आओ मिलकर हम आज ये शपथ लें,
करेंगे राजभाषा हिन्दी का प्रयोग
हम अपने हर व्यवहार में।

सुनील बारसिंग,
वेकेशन एक्सोटिका, मुंबई

## हिन्दी तेरी महिमा महान

हिन्दी तेरी महिमा महान
करते सभी तेरा गुणगान
पूरब-पश्चिम
उत्तर–दक्षिण, सभी दिशाओं में तेरी कीर्ति महान

तेरे स्वर में बसी सरस्वती
मिस्री सी मिठास
सबके दिल में है तू बस्ती
अपमानित होकर भी खिलखिलाती, करती विविध अठखेलियाँ

न किया कभी किसी से बैर और न रखा किसी से द्वेष, बस
जो तुझसे मिला वो यहीं बसा
हिन्दी तेरी महिमा महान, करते सभी तेरा गुणगान।

अभिनव राज़
लॉजिस्टिक्स, मुंबई

## हिन्दी आज भी खरा सोना है

उन दिनों स्वतंत्रता से पहले भी, हम हिन्दी को मानते थे,
इन दिनों भी हम हिन्दी में लिखते हैं।

कुछ वक़्त की बेरहमी और कुछ बेगाना रास्ता,
कुछ ऐसा हुआ कि हिन्दी का साहिल टूट गया।

हिन्दी तो आज भी है सबके दिल में, बस अंदाज़ नहीं है
लिख नहीं पाना काम की मजबूरी है।

यूं तो हर मौसम बिज़ली नहीं चमकती
और मेघ-धनुष भी नहीं होता,
लेकिन हिन्दी की सप्तरंगी मेघ-धनुष
बारह महीने, तीन सौ पैंसठ दिन
हमारी भावनाओं के उतार-चढ़ाव के साथ
हर पल दिल में रहता है
अँग्रेजी तो बस एक नकाब है
दिल में आज भी हिन्दी बस्ती है।

मयुर कुमार सिंधा
ट्रैवल विभाग, अहमदाबाद

## हिन्दी

प्यारी-प्यारी भाषा मेरी,
हिन्दी है बहुत न्यारी
मधुरम-मधुरम, मीठी बोली
सबको आनंद-ज्ञान देने वाली
प्यारी-प्यारी भाषा मेरी,
हिन्दी है बहुत न्यारी।

सबको प्यारी, सबसे न्यारी,
भारत माँ की है दुलारी,
प्यारी-प्यारी भाषा मेरी,
हिन्दी है बहुत न्यारी।

भाषा, जाति, धर्म भेद को तोड़कर
सबको एक सूत्र में पिरोने वाली
प्यारी-प्यारी भाषा मेरी,
हिन्दी है बहुत न्यारी।

पूरब से पश्चिम तक
दक्षिण से उत्तर तक
जैसे गंगा की जलधारा सारी
प्यारी-प्यारी भाषा मेरी, हिन्दी है बहुत न्यारी।

हेमंत के पाटील,
सी एफ एस, द्रोणागिरी, मुंबई

## हर जुबान की मिश्री हिन्दी

हर जुबान की मिश्री हिन्दी,
घर-घर है अब बिसरी हिन्दी।

"इंडिया" को हिंदुस्तान बनाती
हमारा इतिहास महान बनाती
स्वतंत्रता की सूत्रधार हिन्दी
इंकलाब की पुकार हिन्दी
गणतन्त्र का अक्षर-अक्षर
गंगा, यमुना की धार है हिन्दी।

हम सब को भारतीयता का एहसास कराती,
विश्व को अपनी पहचान बनाती
हर बच्चे के कोमल मुख पर
एक, दो की गिनती, हिन्दी।
भारत माँ के रौशन माथे पर
चंद्रमा सी बिंदी, हिन्दी।

हर जुबान की मिश्री हिन्दी,
घर-घर है अब बिसरी हिन्दी।

रौशन आनंद
उत्पादन विभाग, सिलवासा

## रखो हिन्दी का ध्यान

हिन्दी हिंदु हिंदुस्तान,
कहते हैं सब सीना तान

पल भर के लिए जरा सोचो ऐ इंसान
रख पाते हैं हम इसका कितना ध्यान
क्यों समझते हैं सब अँग्रेजी बोलने में खुद को महान

कैसे भूल गए हम, इसी अँग्रेजी ने
बनाया था, वर्षों पहले हमें गुलाम
आज उन्हीं भाषा को क्यों करते हैं,
हम शत – शत प्रणाम

आओ मिलकर जगाएँ
हम अपने खोये हुए स्वाभिमान को
उठो हम मिलकर करें प्रयास
दिलाएँ अपनी भाषा को, अंतर्राष्ट्रीय पहचान

पंकज यशवंत राव व्यास,
आई पी, तलोजा, मुंबई

हिंदी पखवाड़ा 2018 के अंतर्गत पूर्वी क्षेत्र में आयोजित हिंदी स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम पांच स्थान पाने वाले का स्लोगन नीचे दिया गया है।

भारत माता के माथे की बिंदी, हमारी राजभाषा है हिंदी
हिंदी हम अपनाएंगे, राष्ट्र की शान बढ़ाएंगे
**रामजी दुबे, आईटी**

बामर लॉरी का प्रयास, राष्ट्रभाषा हिंदी होगी खास
हिंदी बोलना, लिखना, पढ़ना और समझना है आसान
इसको अपनाने में न हो काई परेशान
**विजय कुमार दास, आईटी**

हिंदी राष्ट्र भाषा है, इसमें कोई भरम नहीं
हिंदी उपयोग करने में कोई शर्म नहीं
**अभिषेक तिवारी, जी & एल**

करे हिंदी भाषा पर अभिमान,
फिर देखे पूरी दुनिया में होगी इसकी एक अलग पहचान
**इरफान वारसी, लॉजिस्टिक्स**

राजभाषा की मिठास पुरे दुनिया में बरकरार रहे,
नफरतों को छोड़कर, सभी जाति, धर्मो को एक सुर में बंधे रहे
**शर्मिष्ठा घोष, आरओएफएस**

**स्केच एवं पेंटिंग - जोयिता रॉय, कॉर्पोरेट मानव संसाधन, कोलकाता**

## पदनाम शब्दावली

| DESIGNATION | पदनाम | DESIGNATION | पदनाम |
|---|---|---|---|
| Accountant | लेखाकार | Assistant Manager | सहायक प्रबंधक |
| Accountant General | महालेखाकार | Associate Vice President | सह-उपाध्यक्ष |
| Accounts Officer | लेखा अधिकारी | Attendant | परिचर |
| Additional | अपर | Audit Officer | लेखापरीक्षा अधिकारी |
| Ad-hoc | तदर्थ | Auditor | लेखा परीक्षक |
| Administrative Officer | प्रशासनिक अधिकारी | Auditor General | महा लेखापरीक्षक |
| Advisor | सलाहकार | Bearer | वाहक |
| Advocate | अधिवक्ता | Caretaker | रखवाला / आधायक |
| Appellate Authority | अपील प्राधिकारी | Cashier | रोकड़िया / खजांची |
| Apprentice | शिक्षु / अप्रैंटिस | Chairman | सभापति / अध्यक्ष |
| Assistant | सहायक | Chartered Accountant | सनदी लेखाकार |

| DESIGNATION | पदनाम |
|---|---|
| Chief Manager | मुख्य प्रबंधक |
| Clerk | क्लर्क / लिपिक |
| Collector | संग्राहक / कलक्टर |
| Commissioner | आयुक्त / कमिश्नर |
| Convener | संयोजक |
| Consolidation Officer | चकबंदी अधिकारी |
| Cost Accounts Officer | लागत लेखा अधिकारी |
| Coordinating Officer | समन्वय अधिकारी |
| Deputy Manager | उप प्रबंधक |
| Driver | ड्राइवर / चालक |
| Despatcher | प्रेषक |
| Draftsman | प्रारूपकार |
| Electrician | बिजली मिस्त्री |
| Enforcement Officer | प्रवर्तन अधिकारी |
| Engineer | अभियंता |
| Estate Officer | संपदा अधिकारी |
| Evaluation Officer | मूल्यांकन अधिकारी |
| Ex - Officio | पदेन |
| Financial Adviser | वित्तीय सलाहकार |
| Gate Keeper | द्वारपाल / दरवान |
| Gazetted Officer | राजपत्रित अधिकारी |
| General Secretary | महासचिव |
| General Manager | महाप्रबंधक |
| Head of Department | विभागाध्यक्ष |
| Honorary Secretary | अवैतनिक सचिव |
| Officer-In-Charge | प्रभारी / भारसाधक / इंचार्ज |
| Income Tax Officer | आयकर अधिकारी |
| Information Officer | सूचना अधिकारी |
| Inspector | निरीक्षक |
| Instructor | अनुदेशक |
| Interpreter | दुभाषिया / निर्वचक |
| Investigator | अन्वेषक |
| Joint Secretary | संयुक्त सचिव |
| Judge | न्यायाधीश |
| Judicial Magistrate | न्यायिक मजिस्ट्रेट |
| Justice | न्यायमूर्ति |
| Junior Accountant | कनिष्ठ लेखाकार |
| Pay and Accounts Officer | वेतन और लेखा अधिकारी |
| Personal Assistant | वैयक्तिक सहायक |
| Personnel Officer | कार्मिक अधिकारी |
| Liaison Officer | संपर्क अधिकारी |
| Lower Division Clerk | अवर श्रेणी लिपिक |

| DESIGNATION | पदनाम |
|---|---|
| Labour Officer | श्रम अधिकारी |
| Lecturer | प्राध्यापक |
| Land Acquisition Officer | भूमि अर्जन अधिकारी |
| Marketing Officer | विपणन अधिकारी |
| Mechanical Engineer | यांत्रिक अभियंता |
| Medical Officer | चिकित्सा अधिकारी |
| Messenger | संदेशवाहक |
| Member of Parliament | संसद सदस्य / सांसद |
| Mining Officer | खनन अधिकारी |
| Non-Gazetted Officer | अराजपत्रित अधिकारी |
| Observer | प्रेक्षक |
| Operator | प्रचालक |
| Private Secretary | निजी सचिव |
| Probationer | परिवीक्षाधीन / परखाधीन |
| Protocol Officer | प्रोटोकॉल अधिकारी |
| Public Relations Officer | जन संपर्क अधिकारी |
| Purchase Officer | क्रय अधिकारी |
| Quality Control Officer | गुणवत्ता नियंत्रक अधिकारी |
| Receipt | प्राप्ति |
| Receptionist | स्वागती |
| Record Keeper | अभिलेखपाल |
| Recovery Officer | वसूली अधिकारी |
| Registrar | पंजीयन / पंजीकार |
| Revenue Officer | राजस्व अधिकारी |
| Semi-skilled | अर्द्धकुशल |
| Senior Manager | वरिष्ठ प्रबंधक |
| Senior Vice President | वरिष्ठ उपाध्यक्ष |
| Security Officer | सुरक्षा अधिकारी |
| Social Welfare Officer | समाज कल्याण अधिकारी |
| Stenographer | आशुलिपिक |
| Store keeper | भंडार पाल |
| Supervisor | पर्यवेक्षक |
| Technician | प्रविधिज्ञ / टेक्नीशियन |
| Temporary | अस्थायी |
| Translator | अनुवादक |
| Treasurer | कोषाध्यक्ष |
| Trustee | न्यासी |
| Typist | टंकक / टाइपिस्ट |
| Upper Division Clerk | उच्च श्रेणी लिपिक |
| Vice President | उपाध्यक्ष |
| Worker | कामगार |

*Edited by Mohar Mukhopadhyay, Head - Corporate Communications, Balmer Lawrie & Co. Ltd.*
*Printed at Semaphore Technologies Pvt. Ltd., Kolkata.*

# हमारे व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की शीघ्र उन्नति के लिए आवश्यक है

-महात्मा गांधी

राजभाषा विभाग, भारत सरकार

This House Journal contains information relating to Balmer Lawrie and is published for circulation amongst its employees. This has no commercial value and is not sold to the public.